भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर व्याख्यान

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 14-09-2023**

सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को किया याद

- कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन
- वीर वनवासियों के विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया

श्री वैभव सुरंगे का श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार

संवाद सहयोगी, महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित इस व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख श्री वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी आडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है। कुलपति ने इस अवसर पर सीमा के नजदीक रह रहे लोगों की परेशानियों से अवगत कराते हुए कहा कि सीमा पार से लालच देने के बावजूद भी सीमा पार नहीं करते, यह उनकी देशभक्ति ही है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग से समरसता व अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज की समस्याओं को हल करने में मदद देने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ श्री वैभव सुरंगे ने आजादी के अमृत महोत्सव के महत्त्व का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्षों के पड़ाव को याद करना इसलिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी को याद रहे कि हमनें आजादी कैसे हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत के गावं-गावं, गली-गली में आजादी के लिए आंदोलन हुआ तभी हम आजादी हासिल कर पाएं।

श्री सुरंगे ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और हम अपने देश की जनजातीयों के इतिहास को जानने व उन पर शोध करने पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 14-09-2023**

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

•कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन

महेंद्रगढ़, 13 सितम्बर (परमजीत, मोहन): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया।

भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित इस व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी ऑडिटोरियम में

वैभव सुरंगे का श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार।

आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है।

कुलपति ने इस अवसर पर सीमा के नजदीक रह रहे लोगों की परेशानियों से अवगत कराते हुए कहा कि सीमा पार से लालच देने के बावजूद भी सीमा पार नहीं करते, यह उनकी देशभक्ति ही है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग से समरसता व अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज की समस्याओं को हल करने में मदद देने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम में विशेषज्ञ वैभव सुरंगे ने आजादी के अमृत महोत्सव के महत्त्व का जिक्र करते हुए कहा कि आजादी के 75 वर्षों के पड़ाव को याद करना इसलिए आवश्यक है कि युवा पीढ़ी को याद रहे कि हमनें आजादी कैसे हासिल की है। उन्होंने कहा कि भारत के गांव-गांव, गली-गली में आजादी के लिए आंदोलन हुआ तभी हम आजादी हासिल कर पाएं।

सुरंगे ने कहा कि भारत विविधताओं का देश है और हम अपने देश की जनजातियों के इतिहास को जानने व उन पर शोध करने पर जोर दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date: 14-09-2023**

शिक्षा

कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन

समाज में बाबा साहेब का योगदान अविस्मरणीय

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय(हकेंवि) में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लोह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद

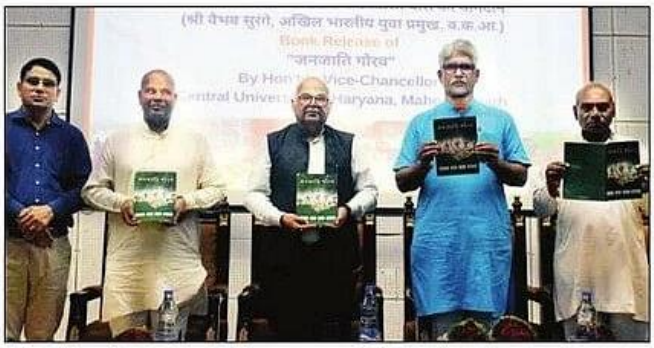

जनजाति गौरव पुस्तक का विमोचन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। स्रोत : विवि

समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है।

कुलपति ने इस अवसर पर सीमा के नजदीक रह रहे लोगों की परेशानियों से अवगत कराते हुए कहा कि सीमा पार से लालच देने के बावजूद भी सीमा पार नहीं करते, यह उनकी देशभक्ति ही है। उन्होंने समाज के सभी वर्ग से समरसता व अपनी क्षमता के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में 14 सितंबर को विश्व का नेतृत्व करने के लिए वर्तमान में चाणक्य की विचारधारा एवं दर्शन की प्रासंगिकता विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। आजादी का अमृत महोत्सव अभियान के तहत भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित सेमिनार के संबंध में कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि चाणक्य की चिंतन विचारधारा यथार्थवाद और व्यावहारिकता की भावना का प्रतीक है। यह मानव जीवन और समाज को समझने के लिए प्रोत्साहित करती है। सेमिनार में श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के कुलपति राज नेहरू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित इस सेमिनार के संबंध में जानकारी देते हुए प्रो. रंजन अनेजा ने बताया कि सेमिनार में प्रबंधन और नेतृत्व, सामाजिक न्याय, कूटनीति, आर्थिक व्यवस्था, गरीबी और असमानता, सतत विकास और प्राकृतिक संसाधनों में चाणक्य की दार्शनिक प्रासंगिकता आदि पर चर्चा होगी। संवाद

Central University of Haryana

NAAC Accredited 'A' Grade University

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Bhaskar **Date: 14-09-2023**

कुलपति ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का किया विमोचन

श्री वैभव सुरंगे का श्रीफल भेंट कर स्वागत करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार.

महेंद्रगढ़ | हकेवि, महेंद्रगढ़ में बुधवार को वनवासी कल्याण आश्रम भिवानी के सहयोग से विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में वनवासी वीरों का योगदान विषय पर आधारित इस व्याख्यान में वनवासी कल्याण आश्रम के अखिल भारतीय युवा प्रमुख वैभव सुरंगे विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने 'जनजाति गौरव' पुस्तक का भी विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक खंड एक स्थित मिनी ऑडिटोरियम में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने स्वतंत्रता के बाद भारत की रियासतों को मिलाने में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की भूमिका को याद किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल के बाद समाज में समानता लाने में, समस्याओं का समाधान करने में बाबा साहेब भीम राव अंबेडकर ने जो योगदान दिया वह अविस्मरणीय है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पीठों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।